दैनिक

फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल

वर्ष : ०९ | अंक:११९ | मुंबई, बुधवार १७ सितंबर २०२५ | RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 | पृष्ठ-४ | मूल्य २/रू.

ड्रग्स, विदेशी करेंसी और वन्यजीव तस्करी के कई मामलों का पर्दाफाश

मुंबई : छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (सीएसएमआई), मुंबई पर कस्टम विभाग (जोन-3) ने 12 से 15 सितंबर 2025 के बीच की गई कार्रवाई में ड्रग्स, विदेशी

करेंसी और वन्यजीव तस्करी के कई मामलों का पर्दाफाश किया है। अधिकारियों ने विशेष खुफिया सूचना और प्रोफाइलिंग के आधार पर अलग-अलग उड़ानों से आए या जाने वाले यात्रियों को पकड़ा और भारी मात्रा में जब्ती की। पहले मामले में ताशकंद से आए एक यात्री के ट्रॉली बैग से 7.118 किलो हाइड्रोपोनिक वीड (गांजा) बरामद हुई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 7.118 करोड़ रुपए आंकी गई। इसी तरह दूसरे मामले में जेद्दा जा रहे तीन यात्रियों के पास से 15.96 लाख रुपए की विदेशी करेंसी पकड़ी गई। तीसरे और चौथे मामलों में बैंकॉक से आए दो यात्रियों के पास से क्रमशः 18.025 किलो और 17.975 किलो हाइड्रोपोनिक वीड जब्त हुई, जिनकी कुल कीमत लगभग 36 करोड़ रुपए से अधिक है। इसके अलावा पांचवें मामले में बैंकॉक से ही आए एक अन्य यात्री के बैग से 6.049 किलो हाइड्रोपोनिक वीड बरामद हुई जिसकी कीमत 6.049 करोड़ रुपए है। इन सभी मामलों में संबंधित यात्रियों को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेज (एनडीपीएस) एक्ट, 1985 के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। सबसे चौंकाने वाला मामला वन्यजीव तस्करी का सामने आया। बैंकॉक से आए एक यात्री के ट्रॉली बैग से जीवित और मृत दुर्लभ प्रजातियों के वन्यजीव मिले।

इनमें 2 मीरकैट, 2 हाग्रैक्स, 4 शुगर ग्लाइडर, 4 मृत बड़े तोते, 10 ग्रीन बेसिलिस्क लिज़ार्ड, 20 लेपर्ड टॉर्टोइज, 4 अल्बिनो रेड ईयर्ड स्लाइडर, 1 कॉमन ब्लू टंग्ड स्किंक, 12 बीयर्डेड ड्रैगन, 1 डुमेरिल्स मॉनिटर लिज़ार्ड, 2 क्विंस मॉनिटर लिज़ार्ड और 5 वॉटर मॉनिटर लिज़ार्ड शामिल थे। आरोपी को कस्टम एक्ट, 1962 और वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट, 1972 के तहत गिरफ्तार किया गया। कुल मिलाकर, चार दिनों की इस कार्रवाई में कस्टम अधिकारियों ने लगभग 49.167 करोड़ रुपए की कीमत की ड्रग्स, लाखों रुपए की विदेशी करेंसी और कई सारे वन्यजीवों को जब्त कर तस्करों के नेटवर्क को बड़ा झटका दिया है।

लापता 33 वर्षीय नौसेना अधिकारी सूरजसिंह अमरपालसिंह चौहान का शव बरामद; आकस्मिक मृत्यु रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज

मुंबई : माथेरान के पास भिवपुरी-गरबेट ट्रेक पर निकलने के बाद 7 सितंबर से लापता 33 वर्षीय नौसेना अधिकारी सूरजसिंह अमरपालसिंह चौहान का शव बरामद किया गया। नेरल पुलिस ने पुष्टि की है कि शव कर्जत और नेरल के बीच, सतोबा मंदिर क्षेत्र के आसपास, पाली भूतवाली बांध के पास जंगली इलाके में देखा गया था। शव मंदिर के पीछे एक खाई में लगभग 50 फीट गहराई में मिला। सहायक पुलिस निरीक्षक शिवाजी धावले के मार्गदर्शन में, नेरल पुलिस ने सह्याद्री बचाव दल के साथ मिलकर घने इलाके में एक चुनौतीपूर्ण अभियान के बाद शव को बरामद किया। मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले, उन्होंने 27 मई को कोलाबा कार्यालय में कार्यभार संभाला था। पुलिस ने मामले में एक आकस्मिक मृत्यु रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज की है और मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मुंबई के जेजे अस्पताल भेज दिया है। धावले ने कहा, 'या तो वह फिसलकर गिर गए होंगे या फिर सांप के काटने से मौत हुई होगी। केवल पोस्टमॉर्टम से ही कारण का पता चलेगा।'

कर्ज में डूबी महाराष्ट्र सरकार नेता हो रहे हैं मालामाल

वोटबैंक की राजनीति के चलते महाराष्ट्र सरकार का कर्ज बढ़ा, नए 24 हजार करोड़ के साथ अब कुल कर्ज 9 लाख 32 हजार करोड़ तक!

सईद शेख

महाराष्ट्र सरकार द्वारा चुनावी समय में की गई लोकोपयोगी और लोकप्रिय योजनाओं की घोषणाओं का असर राज्य की आर्थिक स्थिति पर साफ दिखने लगा है। 'लाडली बहन योजना' समेत अन्य आकर्षक योजनाओं के चलते सरकारी खर्च में जबरदस्त इजाफा हुआ है, जिससे कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। वित्त विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025-26 के अंत तक राज्य का कर्ज 9 लाख 32 हजार 242 करोड़ रुपये तक पहुँचने का अनुमान है। विशेष रूप से, केवल इस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में ही सरकार ने 24 हजार करोड़ रुपये का नया कर्ज उठाया। जून माह के अंत तक राज्य का कुल कर्ज 8 लाख 55 हजार 397 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। इसमें खुले बाजार से सात से सवा सात प्रतिशत की दर से रोखी माध्यम से लिया गया कर्ज और नाबार्ड व नेशनल हाउसिंग बैंक से सवा सात प्रतिशत दर पर उपलब्ध कर्ज शामिल है।

सरकार को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए केंद्र सरकार से कुल 1 लाख 46 हजार करोड़ रुपये तक कर्ज लेने की अनुमति मिली है। इसमें से पहले नौ महीनों में 99 हजार करोड़ रुपये कर्ज के रूप में उधार लिए जाएंगे। आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-जून की तिमाही में सरकार ने कुल 74,387 करोड़ रुपये का कर्ज उठाया और 52,472 करोड़ रुपये की कर्जफेदी की। इसका सीधा अर्थ यह है कि कर्ज की सतत बढ़ती दर पर नियंत्रण नहीं पाया गया। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इन कर्जों पर आने वाला ब्याज भी भारी बढ़ा है। वित्त विभाग के अनुमान के मुताबिक, चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक सरकार को कुल 64,659 करोड़ रुपये ब्याज के रूप में चुकाने होंगे। इससे साफ है कि योजनाओं की लोकप्रियता के पीछे का असली बोझ आम जनता के करों और भविष्य की आय पर पड़ने वाला है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि इन योजनाओं को राजनीतिक लोकप्रियता के लिए लागू करना महाराष्ट्र की दीर्घकालीन आर्थिक सेहत के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया है कि वह अनियंत्रित खर्च पर रोक लगाकर योजनाओं का गंभीर पुनर्मूल्यांकन करे और कर्ज प्रबंधन पर विशेष ध्यान दे। वित्तीय जानकारों का चेतावनी देना है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया, तो महाराष्ट्र की आर्थिक स्थिरता संकट में पड़ सकती है। लाडकी योजना जैसी लोकलुभावन घोषणाओं के चलते अब महाराष्ट्र सरकार का कर्ज बढ़ता ही जा रहा है, जिसका बोझ सीधे जनता के भविष्य पर पड़ रहा है।

अचानक पहुंचे पुणे के बस स्टेशन परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक

दो अफसरों का हुआ तबादला

मुन्ना मुजावर

पुणेः परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने पुणे दौरे के दौरान जब यह जानकारी प्राप्त की कि स्वारगेट बस स्टेशन पर एक महिला के साथ दुर्व्यवहार की घटना के बाद निलंबित किए गए दो अधिकारियों को 90 दिनों के बाद भी उसी स्थान पर तैनात किया गया है, तो उन्होंने तुरंत कदम उठाया। उन्होंने डिवीजन नियंत्रकों को 'कारण बताओ' नोटिस जारी करने और स्वारगेट स्टेशन के वरिष्ठ और कनिष्ठ डिपो प्रबंधकों का शाम तक तबादला करने का आदेश दिया।

परिवहन मंत्री सोमवार को पुणे के दौरे पर थे । उन्होंने दिन भर लोनावाला, शिवाजीनगर और स्वारगेट बस स्टेशनों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने शौचालयों, कंडक्टरों के विश्राम कक्षों और स्टेशन की स्थिति का स्वयं निरीक्षण किया। उन्होंने यात्रियों से चर्चा की और महाराष्ट्र राज्य परिवहन निगम (एसटी) की सेवाओं और सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान स्वारगेट स्टेशन पर महिला कंडक्टरों ने शिकायत की कि डिपो प्रमुख उन्हें परेशान कर रहे हैं। सरनाइक को जब दुर्व्यवहार की फुटेज भी दिखाई गई, तो सरनाइक भड़क गए और उन्होंने विभाग नियंत्रक और डिपो प्रमुख को फटकार लगाई। सरनाईक ने कहा, 'स्वारगेट बस स्टेशन पर महिला के साथ हुई ज्यादती की घटना पूरे राज्य को झकझोर देने वाली घटना थी। विधानमंडल के मानसून सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष ने इस पर चिंता भी जताई थी। इसके बाद संबंधित विभाग के नियंत्रकों, स्टेशन अधिकारियों और सुरक्षा गार्डों की जांच की गई और दोषी अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। ऐसे में निलंबित वरिष्ठ और कनिष्ठ स्टेशन प्रमुखों को 90 दिन बाद उसी स्थान पर पोस्टिंग देना सदन के साथ-साथ आम यात्रियों का भी अपमान है।'

मोदी का जन्मदिन लोकतंत्र के लिए काला दिन, कांग्रेस सांसद के बयान पर मचा बवाल!

कांग्रेस की सांसद प्रणीति शिंदे ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को लोकतंत्र के लिए "काला दिन' करार दिया, जिसके बाद भाजपा और शिवसेना के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। मोदी 17 सितंबर को अपना 75वां जन्मदिन मना रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार शिंदे की बेटी प्रणीति शिंदे ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, "प्रधानमंत्री का जन्मदिन लोकतंत्र के लिए काला दिन है, क्योंकि देश वोटों की चोरी के साथ अघोषित आपातकाल का सामना कर रहा है।'

प्रणीति शिंदे ने दावा किया कि विपक्ष की आवाज़ दबाई जा रही है और लोगों के वोट चुराए जा रहे हैं। उन्होंने भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को लेकर भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार की आलोचना की।

उपमुख्यमंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने प्रणीति पर पलटवार करते हुए 2014 से पहले कांग्रेस नीत सरकारों के कार्यकाल को 'काला दिन' करार दिया। शिंदे ने कहा, "भारत विकास के माध्यम से बदलाव देख रहा है। कांग्रेस प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए विकसित भारत के नारे को पचा नहीं पा रही है।'

उन्होंने बताया कि मोदी ने कांग्रेस शासन की पहचान भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म कर दिया है। शिंदे ने एआई से बनाई गई वीडियो से मोदी की दिवंगत मां को राजनीति में घसीटने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने कहा, "वह एक साधारण महिला थीं, जिन्होंने कभी प्रधानमंत्री की मां की तरह व्यवहार नहीं किया, बल्कि एक आम इंसान की तरह रहीं। प्रधानमंत्री की मां का अपमान करना देश की सभी माताओं का अपमान करने जैसा है और इसे कोई बर्दाश्त नहीं करेगा।'

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि कांग्रेस 'घृणित' मानसिकता वाले लोगों की पार्टी बन गई है। उन्होंने कहा, "ये बातें कांग्रेस को शोभा नहीं देतीं। हालांकि, यह भी सच है कि यह महात्मा गांधी की कल्पना की पार्टी नहीं है। वे स्वार्थ और सत्ता के लिए मंत्रियों के लिए अनुचित शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं।'

मनपा चुनाव का इंतजार बढ़ा, सुप्रीम कोर्ट ने समय सीमा 4 महीने बढ़ाई

मुंबईः महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव पिछले चार-पांच सालों से स्थगित चल रहे हैं। इन स्थगित चुनावों को कराने के लिए समय सीमा बढ़ाने की मांग करते हुए एक आवेदन सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया गया है। चुनाव आयोग की इस मांग पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की। इसमें सुप्रीम कोर्ट ने चुनावों की समय सीमा 31 जनवरी, 2026 तक बढ़ा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि 31 जनवरी के बाद कोई और समय सीमा नहीं दी जाएगी। दरअसल राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव ओबीसी आरक्षण के मुद्दे समेत कई अन्य कारणों से स्थगित हो गए थे। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने चुनावों पर लगी रोक हटा ली थी। कोर्ट ने मई में चुनाव आयोग को चार महीने के भीतर यानी अक्टूबर 2025 तक चुनाव संबंधी प्रक्रिया पूरी करने का आदेश दिया था। इसके अनुसार, आयोग ने वार्ड पुनर्निर्धारण, आरक्षण, मतदाता सूची तैयार करने जैसे काम शुरू कर दिए थे। लेकिन, राज्य सरकार की ओर से ईवीएम, त्योहारों और कर्मचारियों की कमी जैसे कारण बताए गए थे। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने चुनावों की समय सीमा 31 जनवरी, 2026 तक बढ़ा दी है। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव अगले साल ही होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अब राज्य सरकार को राज्य के स्थानीय निकायों, अर्थात् नगर निगम, नगर पालिका, जिला परिषद और नगर पंचायत के चुनाव की प्रक्रिया पूरी करने के लिए समय सीमा बढ़ा दी है। इसके अनुसार, राज्य सरकार को अब 31 जनवरी, 2026 से पहले स्थानीय निकायों के चुनाव की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने चार महीने के भीतर स्थानीय निकायों के चुनाव कराने का आदेश दिया था। हालांकि, यह समय सीमा अब समाप्त हो जाने के बावजूद एक भी स्थानीय निकाय का चुनाव नहीं हुआ है। इस संबंध में आज मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। उस समय अदालत ने राज्य सरकार से पूछा कि चुनाव प्रक्रिया में इतनी देरी क्यों हो रही है? राज्य सरकार द्वारा अपना पक्ष रखे जाने पर कोर्ट ने अब राज्य सरकार को स्थानीय निकायों के चुनाव के लिए 31 जनवरी 2026 तक की मोहलत दे दी है। इसलिए अब 31 जनवरी तक राज्य चुनाव आयोग को सभी नगर निगमों, नगर पालिकाओं, जिला परिषदों और नगर पंचायतों के चुनाव कराकर उनके नतीजे घोषित करने होंगे।

SHABBIR MEMON (DIRECTOR) 9892488825. TEL: 022 6780894

MEMON REALTORS

Builder & Devloper PVT. LTD.

Shop No. 1 to 5, Bldg,. No . 2 Next Ahuja Bulding R.M. Road, Oshiwara, Jogeshwari(W), Mumbai - 400 102. memonshabbir24@gmail.com

संपादकीय

एम.एस.शेख
संपादक

नेताओं का अमर्यादित संवाद तथा आक्रमकता चिंता का विषय

जिन नेताओं को आम जनता अपना आदर्श मानती है, उनके पीछे चलती है, वहीं जनता अब अपने नेताओं के अमर्यादित बयान और अपशब्दों के प्रयोग पर कटाक्ष कर रहे हैं। अनेतिक और अमर्यादित आचरण पर प्रतिक्रिया जनमानस के बीच में भी देखने को मिलने लगी है। राजनीतिक संवाद और बहस का स्तर लगातार गिरता चला जा रहा है। यह केवल भारत में हो रहा हो, ऐसा नहीं है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और एशिया के अन्य लोकतांत्रिक देश में भी मर्यादाएं खत्म होती जा रही हैं। संसद और विधानसभा के अंदर भी जिस तरह से एक दूसरे के खिलाफ हमले किए जा रहे हैं। राजनीतिक बहस का स्तर तू तडाक और हाथापाई ओर मारपीट तक पहुंचने लगा है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया के इस युग में नेताओं के बयान और उनकी कही हुई बातें सारे देश एवं दुनिया में वायरल हो जाती हैं। लोकप्रियता पाने के लिए जानबूझकर अमर्यादित आचरण के माध्यम से नेता विवादित मुद्दों को तूल देते हैं। लोगों को भावात्मक या आक्रामक रूप से जोड़ने के लिए इस तरह के बयान सार्वजनिक रुप से संसद, आम सभाओं, टेलीविजन और सोशल मीडिया के माध्यम से राजनेताओं द्वारा दिए जा रह हैं। उन्होंने इसे सफलता का मापदंड मान लिया है। भारत सहित दुनिया के कई देशों में नेताओं द्वारा एक दूसरे के ऊपर व्यक्तिगत आरोप लगाए जा रहे हैं। कई पीढ़ियों को विवाद में घसीटा जा रहा है। झूठ-सच जो भी मन में आता है, वह बोल दिया जाता है। भारत जैसे देश में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा पूर्व के प्रधानमंत्री और नेताओं को लेकर जिस तरह से कपोल कल्पित बातें कहकर वर्तमान में उनको निशाने पर लिया जा रहा है। इससे भारत की प्रतिष्ठा सारी दुनिया के देशों में धूमिल हो रही है जिस महात्मा गांधी को अहिंसा का प्रतीक मानकर सारी दुनिया ने स्वीकार किया गया था। उन्ही गांधी की छवि को वर्तमान राजनीतिक नेतृत्व धूमिल करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहा है। पंडित जवाहरलाल नेहरू जो भारत के पहले प्रधानमंत्री थे। उनकी सारे विश्व में एक अलग पहचान बनी हुई थी। उन्होंने पंचशील के सिद्धांत और गुटनिरपेक्ष देश के रूप में जो भारत की छवि विदेशों में बनाई थी। स्वतंत्रता के बाद भारत के नव-निर्माण मिश्रित अर्थ-व्यवस्था का उपयोग करते हुए विकास का रास्ता बनाया। जिस तरह से नेहरू, इंदिरा गांधी या पुराने शासको को वर्तमान में निशाना बनाकर कपोल कल्पित रूप से बदनाम किया जा रहा है। राजनीतिक विद्वेष के साथ-साथ अब वैचारिक मतभेद भी इस स्थिति पर आकर खड़े हो गए हैं, जिसमें नुकसान ही नुकसान हो रहा है। भावात्मक रूप से समाज के अंदर ही अंदर वेमनस्य बढ़ता चला जा रहा है। धार्मिक ध्रुवीकरण और सत्ता के लिए जिस तरह से एक दूसरे के ऊपर निशाना साधे जा रहे हैं। उससे लोकतांत्रिक व्यवस्था दिन प्रतिदिन कमजोर होती चली जा रही है। अब राजनीतिक विश्लेषक भी मानने लगे हैं, लोकतंत्र के लिए यह सबसे खतरनाक संकेत है। नैतिकता और मर्यादा का राजनीति में अब कोई स्थान नहीं रहा। वर्तमान में लाभ लेने के लिए जिस तरह से एक दूसरे के ऊपर अनैतिक और अमर्यादित हमले किए जा रहे हैं। उसने भारत सहित अन्य लोकतांत्रिक देशों में लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था से आम जनता का विश्वास घटने लगा है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से शासन में बैठे हुए लोगों द्वारा न्यायपालिका और अन्य संवैधानिक और लोकतांत्रिक संस्थाओं को शासन का अंग बनाने का दबाव बढ़ा है। हाल ही के वर्षों में श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल और अब फ्रांस में जिस तरह की घटनाएं देखने को मिल रही हैं.

फर्जी शेयर ट्रेडिंग से ठगे गए 23 लाख रुपये साइबर पुलिस ने वापस दिलाए

सय्यद एन.एच.करारवी

मीरा-भायंदरः मीरा-भायंदर वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की साइबर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। साइबर पुलिस ने ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग के नाम पर ठगे गए एक नागरिक के 22 लाख 96 हजार 474 रुपये की पूरी रकम वापस दिलाने में सफलता प्राप्त की है।

मीरा रोड क्षेत्र के रहने वाले पीड़ित प्रकाश कुमार ने सोशल मीडिया पर अधिक मुनाफे का झांसा देने वाले एक शेयर ट्रेडिंग ऐप में निवेश किया था। विज्ञापन के जरिए जुड़े व्हाट्सऐप ग्रुप में उन्होंने बड़ी राशि निवेश की, लेकिन बाद में पैसा निकालने का प्रयास करने पर धोखाधड़ी का पता चला।

पीड़ित की शिकायत पर 13 नवंबर 2024 को साइबर पुलिस ने मामला दर्ज किया और राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल (NCCRP) पर लेनदेन को ब्लॉक कराया। जांच में सामने आया कि रकम देशभर के 18 अलग-अलग बैंक खातों में स्थानांतरित हुई थी।

अदालत में विस्तृत रिपोर्ट पेश करने और बैंकों के साथ लगातार 10 महीनों तक पत्राचार करने के बाद पूरी रकम को पीड़ित के खाते में वापस जमा कराया गया।

पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऑनलाइन निवेश योजनाओं के झांसे में न आएं, अवास्तविक मुनाफे के दावों से सावधान रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल शिकायत साइबर हेल्पलाइन पर दर्ज कराएं।

मीरा-भायंदर मनपा की वार्ड संरचना पर कांग्रेस की आपत्ति

'2011 की जनगणना नहीं, 2024 की मतदाता सूची के आधार पर हो नई रचना' - कांग्रेस

सय्यद एन.एच.करारवी

मीरा-भायंदरः आगामी मनपा चुनावों के मद्देनज़र घोषित की गई नई वार्ड संरचना को कांग्रेस ने खारिज कर दिया है। पार्टी का कहना है कि यह रचना 2011 की जनगणना पर आधारित और पूरी तरह अनुचित है।

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और पूर्व विधायक मुज़फ्फर हुसैन ने राज्य चुनाव आयोग, नगर विकास विभाग के मुख्य सचिव और मीरा भायंदर मनपा आयुक्त को लिखित आपत्ति दर्ज कराई है। उन्होंने मांग की है कि वार्डों की नई संरचना 2024 की मतदाता सूची और वर्तमान जनसंख्या के आधार पर की जाए। हुसैन ने कहा, '2011 की जनगणना 14 साल पुरानी हो चुकी है। उस समय शहर की आबादी 8 लाख थी और नगरसेवकों की संख्या 95 थी। आज मीरा-भायंदर की आबादी 15 लाख से अधिक हो चुकी है, लेकिन प्रतिनिधियों की संख्या अब भी 95 ही है। यह जनता के साथ अन्याय है।'

उन्होंने यह भी जोड़ा कि 1991 में जनसंख्या 1.75 लाख थी, तब नगरसेवक 67 थे। 2001 में जनसंख्या बढ़कर 5.20 लाख हुई, तो संख्या बढ़ाकर 95 कर दी गई। लेकिन 2011 और उसके बाद जनसंख्या दोगुनी होने के बावजूद प्रतिनिधियों की संख्या नहीं बढ़ाई गई।

मुज़फ्फर हुसैन ने जोर देते हुए कहा, 'हर वार्ड में 30-35 हजार की आबादी का प्रतिनिधित्व होना चाहिए। U.D.C.P.R. के मानकों के अनुसार, भविष्य की जनसंख्या वृद्धि को ध्यान में रखकर वार्ड संरचना करना अनिवार्य है। कांग्रेस इस अन्यायपूर्ण रचना को स्वीकार नहीं करेगी।'

मीरा-भायंदर में 18-19 सितम्बर को 24 घंटे जलापूर्ति बंद, एमआईडीसी करेगी मरम्मत कार्य

सय्यद एन.एच.करारवी

मीरा-भायंदरः आगामी गुरुवार से शुक्रवार तक मीरा-भायंदर के नागरिकों को 24 घंटे पानी की कमी का सामना करना पड़ेगा। महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल (MIDC) जांभुल जलशुद्धिकरण केंद्र की मुख्य गुरुत्ववाहिनी पर आवश्यक मरम्मत और रखरखाव कार्य करने जा रहा है। मीरा-भाईंदर महानगरपालिका (MBMC) के जलपुरवठा एवं मलनिस्सारण विभाग ने जानकारी दी कि जलापूर्ति 18 सितम्बर, गुरुवार की मध्यरात्रि 12 बजे से लेकर 19 सितम्बर, शुक्रवार की मध्यरात्रि 12 बजे तक पूरी तरह बंद रहेगी। हालांकि, स्टेम प्राधिकरण की ओर से होने वाली आपूर्ति यथावत जारी रहेगी।

'जांभुल केंद्र पर एमआईडीसी का यह मरम्मत कार्य अत्यंत जरूरी है, इसलिए उनकी ओर से होने वाली जलापूर्ति 24 घंटे तक बाधित रहेगी,' बताया शरद नानेगांवकर, कार्यकारी अभियंता, जलपुरवठा विभाग, एमबीएमसी ने। 'स्टेम की आपूर्ति चालू रहेगी, लेकिन नागरिकों को कम दबाव और विलंबित वितरण का सामना करना पड़ सकता है।'

महानगरपालिका ने नागरिकों से पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करने की अपील की है। नानेगांवकर ने आगे कहा, 'निवासियों से अनुरोध है कि वे अग्रिम रूप से पानी संग्रहित करें और इसका इस्तेमाल संयम से करें। आपके सहयोग से ही असुविधा कम से कम होगी।'

JANSEVA SOCIAL FOUNDATION
Non Goverment Organization
Reg. No. F-75914

NITI AYOG 12A,80G & CSR Registered

DONATE FOR POOR AND UNDERPRIVILEGED

Contact us 9930026943

SBI BANK
JANSEVA SOCIAL FOUNDATION
Account No:.39171751769
IFS Code : SBIN0012959

www.jansevasocialfoundation.com

701/ C Wing crystal Plaza opposite infinity mall Andheri West

मालवणी के जंगल में मानव कंकाल मिला; पुलिस ने जांच शुरू की

मुंबईः रविवार को मालवणी में एक मानव कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई। मालवणी इलाके में मानव कंकाल मिलने की खबर से हड़कंप मच गया। पुलिस के मुताबिक, एक युवक पितृ पक्ष पूजा के लिए पत्ते तोड़ने साईं लीला बिल्डिंग के पीछे स्थित आकाशवाणी वन गया था। वहाँ उसे एक मानव कंकाल दिखाई दिया।

युवक ने तुरंत मालवणी पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और कंकाल को अपने कब्जे में लेकर जाँच शुरू कर दी।

पुलिस निरीक्षक जीवन भटकुले ने बताया कि कंकाल को फिलहाल अपने कब्जे में ले लिया गया है। उन्होंने कहा कि फोरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही मामले का सही खुलासा हो पाएगा।

मालवणी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शैलेंद्र नागरकर ने बताया, 'रविवार शाम 4.32 बजे हमें सूचना मिली कि मालवणी म्हाडा के आखिरी बस स्टॉप पर एक मानव खोपड़ी मिली है। हमने तुरंत एक टीम मौके पर भेजी। टीम को जंगल के अंदर चारदीवारी के पास एक मानव खोपड़ी और दो जांघ की हड्डियाँ मिलीं। ये हड्डियाँ पुरानी लग रही हैं।'

34 वर्षीय व्यक्ति अंधेरी स्थित अपने घर पर फंदे से लटका मिला; पुलिस ने आत्महत्या के पीछे पारिवारिक कारण बताया

मुंबईः अंधेरी पश्चिम में रविवार को एक 34 वर्षीय व्यक्ति ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। वह अपने घर पर फंदे से लटका मिला। प्रारंभिक जाँच से पता चला है कि वह पारिवारिक समस्याओं के कारण अवसाद से ग्रस्त था। उसकी शादी 2022 में हुई थी, लेकिन चार महीने पहले उसका तलाक हो गया। उसके कोई बच्चे नहीं थे। डीएन नगर पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान मनीष थोम्बरे के रूप में हुई है, जो एक निजी कंपनी में काम करता था और अंधेरी पश्चिम के गाँवदेवी डोंगरी स्थित साईं बाबा सोसाइटी में रहता था। उसने कथित तौर पर रविवार रात 11:30 बजे से सोमवार सुबह 11:30 बजे के बीच आत्महत्या कर ली। वह अपने भाई और भाभी के साथ रहता था। वह ऊपर वाले कमरे में सोता था। सोमवार सुबह जब वह नीचे नहीं आया, तो उसका भाई ऊपर गया और मनीष को साड़ी के सहारे पंखे से लटका पाया। उसका भाई उसे पास के अस्पताल ले गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए विले पार्ले (पश्चिम) स्थित कूपर अस्पताल भेज दिया गया है। प्रारंभिक जाँच से पता चला है कि वह पारिवारिक समस्याओं के कारण अवसादग्रस्त थे। आगे की जाँच जारी है।

वेब सीरीज की खासियत के बारे में बताया तमन्ना भाटिया ने

ओटीटी पर वेब सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' बहुत जल्द रिलीज होने वाली है। 'डू यू वाना पार्टनर' की रिलीज से पहले तमन्ना भाटिया ने बातचीत की। उन्होंने सीरीज की खासियत के बारे में बताया। तमन्ना भाटिया ने यह भी बताया कि इस सीरीज की स्क्रिप्ट क्यों उन्हें पसंद आई, साथ ही महिला उद्यमियों की यह कैसी तस्वीर पेश करेगा।

तमन्ना भाटिया ने कहा, जब मैंने पहली बार इसकी पटकथा पढ़ी, तो मैंने इसे सिर्फ उद्यमी ड्रामा के रूप में नहीं देखा। इसकी लीड एक्टर, दोनों महिलाएं हैं, और इस तरह का संयोजन पहले कभी स्क्रीन पर नहीं दिखा। मुझे इसकी सिटकॉम जैसी ऊर्जा बहुत पसंद आई, और यही वह समय था जब मैंने पात्रों को गौर से देखा, क्योंकि वे बहुत दिलचस्प हैं।तमन्ना ने आगे कहा, जैसे-जैसे आप किरदारों की यात्रा का अनुसरण करते हैं, आप एक दुनिया का अनुभव करते हैं। जैसे बचपन में मेरा पसंदीदा शो एली मैकबील था और वह एक लॉ फर्म पर आधारित था, इसलिए उन पात्रों के माध्यम से वकीलों की दुनिया दिखाई जाती है, इसलिए मुझे लगता है कि इस शो में भी कुछ ऐसा ही माहौल है। डू यू वाना पार्टनर कैसे महिला बिजनेस वुमेन्स को अलग तरीके से पेश करता है, इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, महिलाएं कैसे शक्तिशाली बनती हैं, उस सफर को यहां दिखाया गया है। मुझे इस शो की यही बात सबसे अधिक पसंद आई। वरना जब आप शक्तिशाली महिलाओं को दिखाते हैं, तो आप उन्हें पहले ही सूट-बूट में दिखाकर काम चला लेते हैं। उन्हें देख हमेशा ऐसा लगता है कि वे पहले ही वहां पहुंच चुकी हैं। मगर इस सीरीज में ऐसा नहीं है, यहां उन्हें अलग तरह से पेश किया जाएगा।डू यू वाना पार्टनर में दो सहेलियों की कहानी है, जो खुद का अल्कोहल ब्रांड लॉन्च करने के लिए पार्टनर बन जाती हैं।

शोएब अख्तर ने पाक कप्तान पर कसा तंज, सूर्यकुमार की प्रशंसा की

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने पाक टीम के कप्तान सलमान अली पर निशाना साधा है। अख्तर ने सलमान पर तंज कसते हुए उन्हें आइंस्टीन तक कह दिया। अख्तर ने कहा कि आगा ने भारतीय टीम के खिलाफ मैच में पहले बल्लेबाजी कर सबसे बड़ी गलती की थी। इस पूर्व तेज गेंदबाज के अनुसार आगा ने पहले बल्लेबाजी चुनी थी जबकि हालातों के अनुसार उनको पहले गेंदबाजी लेनी थी। शोएब ने भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के रवैये की जमकर प्रशंसा की। इस मैच में भारतीय टीम ने एकतरफा जीत दर्ज की थी

पाकिस्तान की टीम ने 127 रन 9 विकेट बनाये। वहीं भारतीय टीम ने 16वें ओवर में ही 128 रनों के लक्ष्य को 3 विकेट के नुकसान पर ही हासिल कर लिया। इस मैच में पाक बल्लेबाज भारतीय स्पिनरों के आगे बेबस नजर आये। कुलदीप यादव ने 3 और अक्षर पटेल ने 2 विकेट लिए। अख्तर के अनुसार दुबई की पिच स्पिनरों की सहायता कर रही है और लक्ष्य का पीछा करना आसान था पर आगा ने इसके बाद भी पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। अख्तर ने एक वीडियो में कहा, 'उनको शुभकामनाएं। सूर्यकुमार ने पूरी पिच रिपोर्ट पहले ही बना ली थी। उसने कहा, बाद में ओस गिरेगी। ऐसे में बल्लेबाजी आसान होती है। हमारी बल्लेबाजी लंबी है। हम लक्ष्य का पीछा ही करना चाहते थे। हम पहले बल्लेबाजी ही करना चाहते थे पर हमारे आइंस्टीन ने कहा कि हमें पहले बल्लेबाजी करनी है।'

इस मैच की दूसरी गेंद पर ही पाक का पहला विकेट गिर गया था।

अजित पवार का वीवीआईपी विरोध खोखला साबित, जनता के रास्ते किए बंद

संभाजी नगर की जनता दो घंटे रही परेशान

संभाजीनगर। उपमुख्यमंत्री अजित पवार के संभाजीनगर दौरे के दौरान वीवीआईपी बंदोबस्त के नाम पर शहरभर में व्यापक असुविधाएं उत्पन्न हुईं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी कार्यालय के उद्घाटन समारोह में शामिल

होने के लिए किए गए दौरे के तहत पूरे संभाजीनगर में कई प्रमुख मार्गों को बंद कर दिया गया। यह विवादास्पद है क्योंकि उपमुख्यमंत्री अजित पवार स्वयं वीवीआईपी ट्रीटमेंट के विरोधी रहे हैं। वे कई मौकों पर सार्वजनिक रूप से इस प्रथा को समाप्त करने की बात कहते रहे हैं। बावजूद इसके, उनके दौरे के लिए व्यवस्था ऐसी की गई कि आम नागरिकों को रोजमर्रा की आवश्यक यात्राओं में भी भारी अड़चनें आयीं। प्रमुख बाजार, सड़कें और ग्राहक आने-जाने के मार्ग बंद कर दिए गए। दुकानदारों को अपनी दुकानें बंद करने के निर्देश दिए गए, वहीं ग्राहकों को प्रवेश नहीं दिया गया। भारी संख्या में पुलिस कर्मी तैनात किए गए और सुरक्षा के नाम पर पूरे क्षेत्र को घेर लिया गया। इस कारण लोगों की आवाजाही पूरी तरह से बाधित रही।

अजीत पवार द्वारा सार्वजनिक तौर पर वीवीआईपी ट्रीटमेंट को समाप्त करने की बात कही गई थी, लेकिन व्यवहार में उपमुख्यमंत्री अजित पवार के दौरे के लिए इस तरह के विशेष बंदोबस्त किए जाना विरोधाभासी स्थिति प्रस्तुत करता है। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या वीवीआईपी ट्रीटमेंट के विरोध में वादों के अलावा कोई वास्तविक कार्यवाही हो रही है। प्रशासन को जनता की सुविधा का ध्यान रखते हुए वीवीआईपी बंदोबस्तों को पुनः परखा जाना चाहिए। इससे स्पष्ट होता है कि राजनीति में वीवीआईपी कल्चर के खिलाफ दिया गया बयाना और व्यावहारिक कार्यान्वयन के बीच बहुत बड़ा अंतर है।

इकोनॉमिक ऑफेंसेस विंग ने राज कुंद्रा से पांच घंटे तक पूछताछ की

मुंबई : शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा अक्सर विवादों में घिरे हुए नजर आते हैं. पहली पत्नी से लेकर शिल्पा शेट्टी के साथ शादी, पोर्नोग्राफी मामले तक राज का नाम विवादों से जुड़ा हुआ आया. इस बीच मुंबई पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंसेस विंग ने कारोबारी राज कुंद्रा से करीब पांच घंटे तक पूछताछ की.

राज कुंद्रा से धोखाधड़ी मामले में हुई पूछताछ

राज कुंद्रा बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति हैं. यह पूछताछ लगभग 60 करोड़ की फाइनेंशियल जांच के सिलसिले में हुई. सूत्रों के मुताबिक, कुंद्रा को अगले हफ्ते दोबारा भी बुलाया जा सकता है.

कुंद्रा ने अलग-अलग कंपनियों में लगाए पैसे - जांच में सामने आया है कि कुंद्रा ने लगभग 60 करोड़ रुपये पांच अलग-अलग कंपनियों में लगाए थे - सत्युग गोल्ड, विहान इंडस्ट्रीज, एसेंशियल बल्क कमोडिटीज प्राइवेट लिमिटेड, बेस्ट डील और स्टेटमेंट मीडिया. शक है कि इन पैसों का इस्तेमाल कुछ अन्य कंपनियों और फिजूल खर्चों में कर दिया गया. EOW की जांच में यह भी पता चला कि कुंद्रा के बैंक खातों से करीब 25 करोड़ ऐसे खर्च हुए हैं जिन पर सवाल खड़े हो रहे हैं. इनमें 3.15 करोड़ एक गोदाम पर, लगभग 20 करोड़ ब्रॉडकास्टिंग पर और मतुंगा स्थित एक दफ्तर के किराए पर भारी रकम खर्च की गई.

मेट्रो के काम में ठेकेदार की तरफ से सुरक्षा को लेकर लापरवाही; मेट्रो रूट के नीचे से गुजर रही कार पर लोहे की दो रॉड गिरी

मुंबई : निर्माणाधीन मेट्रो के काम में ठेकेदार की तरफ से सुरक्षा को लेकर लापरवाही बरतने की बात फिर सामने आई है। कापूरबावडी परिसर में निर्माणाधीन मेट्रो रूट के नीचे से गुजर रही एक कार पर लोहे की दो रॉड गिरी। घटना में कार का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया। कोई जख्मी नहीं हुआ है और बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद कार चालक ने कापूरबावडी पुलिस स्टेशन में सुरक्षा अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

मेट्रो रूट के नीचे पहले भी हुए हादसा– बता दें कि शहर में मेट्रो रूट के नीचे इससे पहले भी हादसे हुए हैं। भिवंडी में लोहे की रॉड एक युवक के सिर पर गिरने से गंभीर चोट लग गई थी। इन घटनाओं ने नीचे से गुजरने वाले लोगों की सुरक्षा पर सवाल खड़ा कर दिया है।

पुलिस ने दर्ज किया केस– शहर में मेट्रो-4 (ठाणे- घाटकोपर- वडाला) और मेट्रो-5 (ठाणे-भिवंडी-कल्याण) का निर्माण कार्य जारी है। कापूरबावडी परिसर में मेट्रो-4 और 5 को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण चरण का निर्माण जारी है। जानकारी के मुताबिक, रविवार दोपहर भिवंडी के काल्हेर निवासी अमोल लाठे पिता को कार से लेकर घोडबंदर स्थित एक अस्पताल में गए थे। वापसी में कार जब कापूरबावडी पहुंची, तो मेट्रो के एलिवेटेड रूट पर से लोहे की दो रॉड उनकी गाड़ी पर गिर गईं। रॉड कार के शीशे पर लगी और शीशा क्षतिग्रस्त हुआ। अमोल ने पुलिस में दी शिकायत में बताया है कि निर्माण स्थल पर किसी भी सुरक्षा उपकरण का इस्तेमाल नहीं किया गया था। अमोल की शिकायत पर पुलिस ने सुरक्षा अधिकारी प्रमोद मोहिते के खिलाफ बीएनएस 2023 की धारा 125 और 324 के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस भर्ती 2025: 15000 पदों पर पुलिस भर्ती, आपके जिले में किस पद के लिए कितने पद?

मुन्ना मुजावर

युवाओं के लिए खुशखबरी है। राज्य पुलिस बल में बंपर भर्तियां होने जा रही हैं। पिछले कई दिनों से पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए यह बड़ी खुशखबरी है। राज्य पुलिस बल और जेल विभाग में कांस्टेबल के पदों पर भर्ती की जाएगी। राज्य सरकार द्वारा कुल 15 हज़ार 631 पदों पर भर्ती की जाएगी। राज्य के कई जिलों में पुलिस बल में बंपर भर्तियां की जाएंगी।

सरकारी नौकरियों के लिए 2022 से 2025 के बीच आयु सीमा पूरी कर चुके अभ्यर्थियों को आवेदन का एक आखिरी मौका दिया गया है। इसलिए, नियमित अभ्यास करने वाले और आयु सीमा पार कर चुके युवाओं ने 'खाकी वर्दी का सपना' पूरा करने के लिए कमर कसनी शुरू कर दी है। इसके साथ ही, पुलिस इकाइयों ने भी आगामी चुनावों और त्योहारों की समीक्षा के बाद भर्ती की योजना बनानी शुरू कर दी है। गृह मंत्रालय द्वारा पुलिस भर्ती की घोषणा के बाद से ही, प्रदेश के कोने-कोने से युवा पुलिस भर्ती की तैयारी में जोर-शोर से जुट गए हैं।

सबसे ज़्यादा रिक्तियां मुंबई शहर, मीरा भयंदर, पुणे शहर, ठाणे शहर और मुंबई रेलवे पुलिस में हैं। इस हिसाब से उम्मीदवारों का रुझान सबसे ज़्यादा वहीं है। मुंबई शहर में 2459, ठाणे शहर में 867, नवी मुंबई में 88, नासिक ग्रामीण में 172, मीरा-भयंदर में 924, पुणे शहर में 885, पिंपरी चिंचवाड़ में 356, छत्रपति संभाजीनगर में 150, नागपुर शहर में 398, मुंबई रेलवे पुलिस में 743, जलगाँव में 171 और धुले में 137 पदों पर अलग-अलग जिलों में भर्ती की जा रही है। इस तरह पूरे जिले में पुलिस कांस्टेबल के 10,908, पुलिस ड्राइवर के 234 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके अलावा कुल 11,167 पदों पर भी भर्ती की जा रही है।

तो, एसआरपीएफ में भी भर्तियाँ होंगी। पुलिस कांस्टेबल के 1062 पदों और अनुकंपा के आधार पर 19 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके अलावा, अंतर-जिला स्तर पर 1350 पदों पर भर्ती की जाएगी। पिछले कई सालों से 'खाकी वर्दी' का सपना देख रहे उम्मीदवारों के लिए भर्ती की तैयारियाँ ज़ोरों पर हैं। भर्ती की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है।

एक अभ्यर्थी एक से अधिक आवेदन दर्ज नहीं कर सकता है।सभी पदों के लिए एक ही दिन लिखित परीक्षा होगी, 50 अंकों का फिजिकल टेस्ट होगा, जिसके बाद एक पद के लिए 10 अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा, योग्य अभ्यर्थियों के लिए 100 अंकों की लिखित परीक्षा होगी, अंत में पेपर वेरिफिकेशन होगा, जिसके बाद अंतिम चयन सूची बनेगी, ऐसे होगी पुलिस भर्ती।

हॉस्पिटैलिटी कंपनी के सहायक प्रबंधक पर 1.02 करोड़ रुपये की हेराफेरी करने का मामला दर्ज

मुंबई : एन.एम. जोशी मार्ग पुलिस ने विजय अजीतलाल यादव और उनकी बहन शीला यादव के खिलाफ मुंबई स्थित एक हॉस्पिटैलिटी कंपनी से 1.02 करोड़ रुपये की हेराफेरी करने का मामला दर्ज किया है। सहायक प्रबंधक के रूप में कार्यरत विजय यादव पर वेंडर भुगतान के बहाने कंपनी के फंड को अपनी बहन के बैंक खाते

में स्थानांतरित करने का आरोप है। प्राथमिकी के अनुसार, शिकायतकर्ता, राकेशकुमार चंदनमल जैन, 38, राजगढ़ कॉलोनी, गांधीनगर, दिल्ली के निवासी हैं और वर्तमान में मागाठाणे, बोरीवली पूर्व में रहते हैं। वे मेसर्स बेलोना हॉस्पिटैलिटी सर्विसेज लिमिटेड में उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं, जिसका मुख्यालय आर.आर. होजरी बिल्डिंग, लक्ष्मी वूलन मिल्स एस्टेट, डॉ. ई. मोसेस रोड, महालक्ष्मी, मुंबई में है।

जैन ने कंपनी की ओर से 30 जुलाई, 2024 को शिकायत दर्ज कराई। पुलिस शिकायत के अनुसार, यादव 6 दिसंबर, 2021 को एक कार्यकारी प्रबंधक के रूप में कंपनी में शामिल हुए और उन्हें कई महत्वपूर्ण वित्तीय जिम्मेदारियां सौंपी गईं, जिनमें विक्रेता भुगतान संसाधित करना, बैंक लेनदेन बनाए रखना, बिलिंग रिकॉर्ड अपडेट करना और चालान संभालना शामिल था। कथित धोखाधड़ी तब सामने आई जब जैन ने 5 मई, 2024 को विक्रेता 'बी बेवरेजेस' के नाम पर 2 लाख रुपये का संदिग्ध लेनदेन देखा। आगे की जांच करने पर पता चला कि लेनदेन से जुड़ा बैंक खाता वास्तविक विक्रेता का नहीं था। एक आंतरिक ऑडिट में 24 जून, 2022 और 23 मार्च, 2024 के बीच किए गए 1.02 करोड़ रुपये के 67 अनधिकृत लेनदेन से जुड़े एक गहरे वित्तीय घोटाले का पता चला अपने आधिकारिक पद का इस्तेमाल करते हुए, विजय यादव ने कथित तौर पर झूठे विक्रेता विवरण प्रस्तुत करके भुगतान रिकॉर्ड में हेराफेरी की और कंपनी के लेखा प्रबंधक, संजय फड़के से भुगतान के लिए मंजूरी हासिल कर ली। कंपनी की ऑडिट समिति द्वारा पूछताछ किए जाने पर, यादव ने कथित तौर पर धन के गबन की बात कबूल कर ली।

अमरावती नगर निगम की चेतावनी - सात दिन में हटाएं पोल पर लगे अनधिकृत फाइबर केबल्स

अमरावती। अमरावती महानगरपालिका ने शहर में सार्वजनिक लाइट पोलों पर बड़े पैमाने पर अनधिकृत रूप से डाले जा रहे ऑप्टिकल फाइबर केबल्स को लेकर सख्त चेतावनी जारी की है। नगरपालिकाओं के अनुसार,

पूर्व अनुमति के बिना केबल्स डालना सार्वजनिक संपत्ति का अपहरण और बिगाड़ माना जाता है, जिससे नागरिक सुरक्षा के साथ-साथ रखरखाव कार्यों में भी बाधा आती है महानगरपालिका ने उन सभी व्यक्तियों, निजी कंपनियों और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को नोटिस दिया है जिन्होंने बिना अनुमति के ये केबल्स लगाए हैं। नोटिस में कहा गया है कि इन्हें जारी नोटिस की तारीख से सात दिनों के भीतर हटाना अनिवार्य है। सात दिनों की अवधि समाप्त होने के बाद भी यदि केबल्स नहीं हटाए जाते हैं, तो नगरपालिका अनधिकृत केबल्स को काटकर हटाने की कार्रवाई करेगी। इस कार्रवाई का पूरा खर्च और संबंधित दंड उन व्यक्तियों या कंपनियों से वसूला जाएगा जिन्होंने नियमों का उल्लंघन किया है। नगरपालिका ने इस प्रेस नोट को सार्वजनिक सुरक्षा और पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के उचित उपयोग को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जारी किया है।

अमरावती मनपा में हलचल: डॉ. जाधव की जगह डॉ. बोंद्रे संभाल सकते हैं जिम्मेदारी

नागरिकों की नाराजगी के बाद स्वास्थ्य विभाग में बदलाव की संभावना

अमरावती। गत रविवार को मनपा क्षेत्र के रिंग रोड और कठोरा जकात नाका के पास एक लेआउट के सामने पड़ी गंदगी को हटाने के लिए स्थानीय नागरिकों ने ठिया आंदोलन किया। इस दौरान मनपा की अतिरिक्त आयुक्त शिल्पा नाईक और स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय जाधव के अलावा अन्य कर्मचारी भी मौके पर मौजूद थे।

स्थानीय विधायक सुलभा खोडके के वहां पहुंचने के बाद नागरिकों ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी डॉ. जाधव के कार्यप्रणाली पर नाराजगी व्यक्त की और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई। इस घटना के बाद सोमवार को मनपा प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया। सूत्रों के अनुसार, जल्द ही स्वास्थ्य विभाग प्रमुख डॉ. अजय जाधव का प्रभार हटाने की कार्रवाई की जा सकती है। उनकी जगह पशु वैद्यकीय अधिकारी डॉ. सि. बोंद्रे को जिम्मेदारी सौंपने की संभावना है। संबंधित आदेश आज शाम तक जारी होने की संभावना है।

स्वास्थ्य विभाग में लगातार सामाजिक और राजनीतिक दलों से अधिकारियों तथा कर्मचारियों के खिलाफ शिकायतें मिल रही थीं। इसी क्रम में, प्रशासन ने वर्षों से एक ही पद पर बने अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले का निर्णय लिया है, जिससे विभाग में व्यापक हलचल मची है।

बड़नेरा में चोरी-अपराध बढ़ा, नागरिकों की शिकायत पर आयुक्त सौम्या शर्मा ने पुलिस को फटकारा

अमरावती। पिछले कुछ दिनों से बड़नेरा शहर में चोरी और अपराध की घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है। लेकिन अफ़सोस की बात यह है कि पुलिस प्रशासन की उदासीनता और धीमी कार्रवाई के कारण नागरिकों का भरोसा पूरी तरह टूट चुका है। हालात इतने खराब हो गए हैं कि लोग सीधे महानगरपालिका आयुक्त सौम्या शर्मा (चांडक) के पास शिकायत लेकर पहुंचे। आयुक्त ने सोमवार, 15 सितंबर को मामले का संज्ञान लेते हुए बड़नेरा का दौरा कर स्थिति का जायज़ा लिया। निरीक्षण के दौरान यह भी उजागर हुआ कि सरकारी कामकाज में उपयोग हो रही महत्वपूर्ण संपत्ति चोरी हो चुकी है। इस पर आयुक्त ने सख़्ती से नाराज़गी जाहिर करते हुए कहा - 'यह हमारी ज़िम्मेदारी है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखें, लेकिन अगर सरकारी संपत्ति तक सुरक्षित नहीं रही तो व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है।' आयुक्त सौम्या शर्मा ने बड़नेरा पुलिस थानेदार सुनील चव्हाण से विशेष बातचीत कर कड़े निर्देश दिए कि चोरी और अपराध पर तुरंत प्रभावी नियंत्रण लिया जाए। उन्होंने साफ तौर पर कहा - 'शहर में अनुशासन बनाए रखना प्राथमिक कर्तव्य है। यदि स्थिति सुधारने में पुलिस प्रशासन विफल रहा, तो कठोर कार्रवाई की जाएगी।' यह पहली बार हुआ है जब मनपा आयुक्त ने खुलेआम पुलिस प्रशासन को फटकार लगाई हो। इस घटनाक्रम से साफ हो गया कि यदि कोई अधिकारी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करता है, तो नागरिक उसी पर भरोसा जताते हैं और समस्याओं के समाधान के लिए आगे आते हैं।

आयुक्त ने नागरिकों से भी अपील की कि वे पुलिस प्रशासन को सहयोग दें, ताकि मिलकर अपराध पर लगाम कसी जा सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मनपा प्रशासन और पुलिस मिलकर पूरी मेहनत से काम करेंगे। लेकिन सवाल यथावत है - जब सरकारी व्यवस्था ही असमर्थ हो, तो आम नागरिक अपनी सुरक्षा के लिए किस पर भरोसा करें? शहर में हालात सुधारने के लिए अब ठोस कदम उठाना प्रशासन का कटिबद्ध कर्तव्य बन गया है।

फिर एक बार बारिश ने मचाया हाहाकार पुणे महानगर पालिका देखती रही तमाशा

मंडी प्रांगण में रखे फल-सब्जियां बह गईं, सड़कें जलमग्न

मुन्ना मुजावर

पुणे शहर में एक बार फिर भारी बारिश हुई है। इससे नागरिक मुश्किल में पड़ गए हैं। मंगलवार दोपहर हुई मूसलाधार बारिश के कारण मंडी परिसर में पानी भर गया और किसानों की सब्ज़ियाँ और फल सड़कों पर बह गए।

पुणे शहर में शनिवार से भारी बारिश शुरू हो गई। शहर और उपनगरों वाघोली, थेऊर और लोनी में बारिश ने कहर बरपाया। कई घरों में पानी घुस गया, वहीं वाहन मालिकों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। सोमवार देर रात बारिश से थोड़ी राहत मिली मंगलवार सबेरे से बारिश फिर तेज़ हो गई। पुणे की सबसे बड़ी सब्ज़ी और फल मंडी कही जाने वाली गुलटेकड़ी का बाज़ार इस बारिश के कारण पूरी तरह जलमग्न हो गया है। बाज़ार की सड़कें नदियों में तब्दील हो गई हैं, जिससे यहाँ आने वाले किसानों पर बुरा असर पड़ा है

ट्रकों और गाड़ियों से उतारी गई सब्ज़ियाँ पानी में बह गईं। प्याज, टमाटर, भिंडी, बैंगन, मिर्च जैसी सब्ज़ियों के साथ-साथ अंगूर, अमरूद, अनार जैसे फल भी पानी में भीगने से बड़े पैमाने पर खराब हो गए हैं। किसानों और व्यापारियों, दोनों को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। पुणे के नागरिकों का काम पर निकलना मुश्किल हो गया है और कई इलाकों में यातायात प्रभावित हुआ है। जलस्तर का आकलन करने के बाद, लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की भी अपील की गई है। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में भारी बारिश की चेतावनी भी दी है। इसलिए, नागरिकों को उचित सावधानी बरतनी होगी

खुफिया एजेंसी में अधिकारी बताकर चार करोड़ की ठगी

मुन्ना मुजावर

पुणेः सेना की खुफिया एजेंसी में अधिकारी बताकर एक व्यापारी से 4.6 करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। इस मामले में पार्वती पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

एक व्यापारी ने इस संबंध में पार्वती पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। उसकी शिकायत के अनुसार, एक ही परिवार के पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपी धनकवड़ी के छत्रपति संभाजीनगर इलाके में रहते हैं।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आरोपी और शिकायतकर्ता परिचित व्यापारी हैं। आरोपी ने शिकायतकर्ता को सेना की खुफिया एजेंसी में अधिकारी बताकर झांसा दिया था। उसे खुफिया एजेंसी से 38 करोड़ रुपये मिलेंगे। आरोपी ने उससे कहा था कि यह रकम पाने के लिए उसे शुरुआत में कुछ शुल्क देना होगा। आरोपी ने उसे झांसा देकर समय-समय पर 4.6 लाख सात हजार रुपये ऐंठ लिए। शिकायतकर्ता ने समय-समय पर उससे ऑनलाइन और नकद पैसे लिए। उसके बाद, आरोपी ने उसे पैसे वापस नहीं किए। ठगी का एहसास होने पर उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस सब-इंस्पेक्टर पाटिल मामले की जाँच कर रहे हैं।

शहर में पांच नए पुलिस थाने, दो जोन बनाए गए

मुन्ना मुजावर

पुणेः पुणे शहर के बढ़ते विस्तार को देखते हुए, गृह विभाग ने पाँच और नए पुलिस थानों को मंज़ूरी दी है। साथ ही, दो नए ज़ोन बनाने को भी मंज़ूरी दी गई है।

लक्ष्मीनगर (यरवदा), लोहगाँव, नरहे, येवालेवाड़ी (कोंढवा) और मंजरी, पाँच नए पुलिस थानों को मंज़ूरी दी गई है। पुणे पुलिस आयुक्तालय में वर्तमान में पाँच ज़ोन हैं। गृह विभाग ने दो ज़ोन, ज़ोन छह और सात, बनाने के प्रस्ताव को मंज़ूरी दे दी है। इस नए पुलिस स्टेशन के साथ-साथ इस ज़ोन के लिए 800 पुलिसकर्मियों की तैनाती को भी मंज़ूरी दी गई है।

एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन को लोहगाँव पुलिस स्टेशन में, हडपसर पुलिस स्टेशन को मंजरी पुलिस स्टेशन में, सिंहगढ़ रोड पुलिस स्टेशन को नरहे पुलिस स्टेशन में, येरवदा पुलिस स्टेशन को लक्ष्मीनगर पुलिस स्टेशन में और कोंढवा पुलिस स्टेशन को येवालेवाड़ी पुलिस स्टेशन में विभाजित किया जाएगा। पुणे पुलिस द्वारा स्थापित एआई तकनीक पर आधारित सीसीटीवी कैमरा योजना का उद्घाटन एक महीने पहले मुख्यमंत्री और गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया था।

उस समय उन्होंने कहा था कि पुणे शहर के विस्तार को देखते हुए पाँच नए पुलिस थानों और नए ज़ोन के निर्माण का प्रस्ताव मंज़ूरी के लिए भेजा गया है। पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने नए पुलिस थानों और ज़ोन के निर्माण का प्रस्ताव भेजा था। पुणे पुलिस बल में सात और पुलिस उपायुक्तों के पदों को मंज़ूरी देने का प्रस्ताव रखा गया था। पुणे पुलिस द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों को मंज़ूरी मिल गई है। पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार और संयुक्त पुलिस आयुक्त रंजन कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में नए थानों के लिए स्थान निर्धारित किए जाएँगे और नए थानों का संचालन जल्द ही शुरू होगा।

ज़ोन और थानों के निर्माण का उद्देश्य
शहर का विस्तार बढ़ाना
कानून व्यवस्था बनाए रखना
नागरिक शिकायतों का समाधान
अपराध पर अंकुश

एक साल पहले शहर में सात नए पुलिस थाने बनाए गए थे। पुणे शहर के बढ़ते विस्तार को देखते हुए, पाँच और नए पुलिस थानों और ज़ोन के निर्माण का प्रस्ताव गृह और वित्त विभाग को भेजा गया था। गृह विभाग ने अतिरिक्त पुलिस बल, ज़ोन, पुलिस थानों के निर्माण और पुलिस उपायुक्तों के पदों की संख्या के प्रस्तावों को मंज़ूरी दे दी है। नए पुलिस थानों का वास्तविक संचालन अक्टूबर के अंत तक शुरू हो जाएगा। - अमितेश कुमार, पुलिस आयुक्त

रूबी हॉल चैरिटेबल अस्पताल में बुजुर्ग मरीज के साथ दुर्व्यवहार का गंभीर आरोप

पुणे, पुणे के प्रतिष्ठित रूबी हॉल चैरिटेबल अस्पताल पर एक 86 वर्षीय बुजुर्ग मरीज के साथ अमानवीय व्यवहार और लापरवाही का सनसनीखेज आरोप लगा है। यरवदा के यशवंतनगर निवासी श्रीमती फराह नासिर सैयद (49) ने अपने ससुर, श्री अहमद फखरुद्दीन सैयद (86) के साथ अस्पताल में हुए दुर्व्यवहार की शिकायत दर्ज की है। श्रीमती फराह के अनुसार, उनके ससुर को 12 सितंबर 2025 को हृदय संबंधी समस्या के लिए अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (घ्ण्ळ) में भर्ती किया गया था। सुबह 9:46 बजे उन्हें सामान्य वार्ड (बेड नंबर इ05) में स्थानांतरित किया गया। लेकिन वार्ड प्रभारी ने भुगतान न होने का हवाला देकर मरीज को घ्ण्ळ में वापस भेजने को कहा। श्रीमती फराह ने बताया कि वे आर्थिक रूप से कमजोर हैं और मरीज को घ्ड्ड योजना के तहत भर्ती किया गया था। इसके बाद, अस्पताल की सामाजिक कार्यकर्ता निलोफर ने अपमानजनक भाषा में कहा, 'अगर पैसे नहीं हैं, तो यहां क्यों आए? मरीज को ससून अस्पताल ले जाओ।' स्थिति तब और बिगड़ गई जब गहन चिकित्सा इकाई के प्रभारी डॉ. संदीप मुनोत ने 86 वर्षीय मरीज से कहा, 'आप 86 साल के हो गए हैं, अब कितने दिन जिएंगे? घर पर रहें।' यह व्यवहार बुजुर्ग मरीज की गरिमा और स्वास्थ्य के प्रति घोर असंवेदनशीलता को दर्शाता है। स्थानीय समाजसेवियों के हस्तक्षेप और पुलिस को बुलाने की चेतावनी के बाद, अस्पताल प्रशासन ने मजबूरी में रात 9:30 बजे मरीज को सामान्य वार्ड (बेड नंबर 816) में भर्ती किया। श्रीमती फराह ने आरोप लगाया कि अस्पताल की सामाजिक कार्यकर्ता पूनम चव्हाण ने भी पुलिस के सामने भर्ती का आश्वासन दिया, लेकिन बाद में मरीज को अन्य अस्पताल ले जाने को कहा।

करात में ईद मिलन समारोहः

गरीब महिलाओं को 1500 साड़ियाँ, कपड़े और किराने का सामान वितरित

मुन्ना मुजावर

करादः पैगंबर मोहम्मद साहब की 1500वीं जयंती के उपलक्ष्य में एकता मित्र मंडल द्वारा गुरुवर पेठ, कराड में एक भव्य ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस सामाजिक पहल के तहत 1500 गरीब और ज़रूरतमंद महिलाओं को मुफ्त साड़ियाँ, कपड़े और किराने का सामान वितरित किया गया। यह नेक पहल पिछले तीन वर्षों से लगातार जारी है, जिससे हिंदू-मुस्लिम समुदाय की महिलाओं को काफी राहत मिल रही है।

मुख्य अतिथियों ने की एकता मित्र मंडल की सराहनाः कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पोपटराव सालुंखे (मेहरबान), पूर्व महापौर अल्ताफभाई शिकलगर, नगरसेवक फारूकभाई पटवेकर, सादिकभाई शेख, नगरसेवक हनमंतराव पवार, सामाजिक कार्यकर्ता संदीप पवार, दादासो शिंगन, शेखर बर्गे, जमीर मनियार, समीर पटवेकर और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सभी अतिथियों ने एकता मित्र मंडल के इस पुण्य कार्य की जमकर प्रशंसा की और संगठन के पदाधिकारियों व सदस्यों को उनके सामाजिक योगदान के लिए शुभकामनाएं दीं।

एकता मित्र मंडल के सदस्यों का योगदानः कार्यक्रम में एकता मित्र मंडल के सैफ मुल्ला, अमीर मनेर, वसीम बागवान, वसीम नदाफ, साजिद बागवान, तौफीक मुल्ला, नईम बागवान, रमीज मनेर, गफ्फार सुतार, फरीद बागवान सहित अन्य सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस आयोजन ने सामुदायिक एकता और परस्पर सहयोग की भावना को और मजबूत किया। एकता मित्र मंडल की इस पहल ने न केवल ज़रूरतमंदों की मदद की, बल्कि सामाजिक सौहार्द और भाईचारे का संदेश भी दिया। संगठन ने भविष्य में भी ऐसे कार्यों को जारी रखने का संकल्प दोहराया।

हत्या का मामला! बंडू अंदेकर के बेटे कृष्णा अंदेकर ने आखिरकार पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया

मुन्ना मुजावर

पुणेः गणेश विसर्जन की पूर्व संध्या पर नाना पेठ में हुए गैंगवार में आयुष कोमकर पर गोलीबारी कर फरार हुए अंदेकर गिरोह के सदस्य शिवम अंदेकर को गुजरात सीमा से गिरफ्तार कर लिया गया है। अंदेकर गिरोह के सरगना बंडू अंदेकर का बेटा कृष्णा अंदेकर, कोमकर हत्याकांड में अभी भी फरार था। आज कृष्णा अंदेकर ने आखिरकार पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। कृष्णा अंदेकर आयुष कोमकर हत्याकांड के मुख्य आरोपियों में से एक है। पुलिस कृष्णा अंदेकर की गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही है। इस बीच, वह कुछ देर पहले पुणे पुलिस के सामने पेश हुआ है

इस मामले में शिवम उदयकांत आंदेकर (31), अभिषेक उदयकांत आंदेकर (21), शिवराज उदयकांत आंदेकर (29) और पूर्व नगरसेविका लक्ष्मी उदयकांत आंदेकर (60, सभी नाना पेठ निवासी) को गुजरात सीमा से गिरफ्तार किया गया. आज सरेंडर करने वाले कृष्णा अंदेकर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है. कोमकर हत्याकांड में आंदेकर गिरोह के सरगना सूर्यकांत उर्फ बंडू अन्ना आंदेकर (70), उसका पोता तुषार निलंजय भाडेकर (27), स्वराज निलंजय वाडेकर (23), बेटी प्दावनी निलंजय वाडेकर (40), अमन युसुफ पठान (25), सिद्धेश्वर पाटिल (19), अमित प्रकाश पटोले (19, सभी नाना पेठ के निवासी) और सुजल राहुलु मेरगु (20, अन झर अली, भवानी पेठ) शामिल हैं। पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है.

इस बीच, 5 सितंबर की शाम आयुष कोमकर अपने छोटे भाई को क्लास से लेकर करीब साढ़े सात बजे नाना पेठ स्थित हमाल तलमी के पास स्थित सोसायटी में आया। आयुष जब अपना दोपहिया वाहन ग्राउंड फ्लोर पर पार्क कर रहा था, तभी पिस्तौल से अंधाधुंध फायरिंग कर उसकी हत्या कर दी गई। आयुष की मां कल्याणी (37) ने इस संबंध में समर्थ पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। मामला दर्ज होने के बाद, बंडू अंडेकर और उसके साथियों को बुलढाणा इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। अंडेकर गिरोह के चारों आरोपी फरार हो गए थे। क्राइम ब्रांच की टीमें उनके गांव में थीं। कोमकर हत्याकांड में बंडू अंडेकर और 13 आरोपियों पर मकोका के तहत कार्रवाई की गई है। इन 13 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है।

कल्याणीनगर, कोरेगांव पार्क में पब, बार पर नगर निगम चलाएगा 'हथौड़ा'!

मुन्ना मुजावर

पुणेः कोरेगांव पार्क, कल्याणी नगर और मुंधवा क्षेत्रों में 151 पब, बार और रेस्टोरेंट को मनपा की निर्माण अनुमति के बिना अवैध निर्माण करने के आरोप में मनपा ने नोटिस जारी किया है। मनपा के अतिरिक्त आयुक्त पृथ्वीराज बी. पी. ने पत्रकारों से बात करते हुए यह जानकारी दी। अगर ये पब और बार संचालक नोटिस का जवाब नहीं देते और उचित जानकारी नहीं देते, तो मनपा उनके खिलाफ कार्रवाई कर अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की योजना बना रही है। कल्याणी नगर, कोरेगांव पार्क और खराडी में बड़ी संख्या में बार, पब और रेस्टोरेंट हैं। ये पब और बार देर रात तक खुले रहते हैं। इससे क्षेत्र के नागरिकों को परेशानी होती है। इन बार संचालकों ने इमारतों की छतों पर, आगे और पीछे (साइड और फ्रंट मार्जिन में) खुली जगहों पर अनधिकृत निर्माण कर लिया है और वहाँ पब, बार और रेस्टोरेंट शुरू कर दिए हैं। मनपा ने इस बारे में पुलिस से भी चर्चा की है। मनपा की अनुमति के बिना किए गए निर्माण को मनपा के निर्माण विभाग द्वारा नोटिस जारी कर ध्वस्त किया जाता है। निर्माण विभाग ने कोंढवा इलाके में अवैध इमारतों के खिलाफ भी कार्रवाई की है और उन्हें ध्वस्त कर दिया है। इस संबंध में, नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त पृथ्वीराज बी. पी. ने कल्याणीनगर, खराडी, कोरेगांव पार्क और मुंधवा इलाकों का निरीक्षण किया। उस दौरान, यह बात सामने आई कि कई बार और पब मालिकों ने अवैध रूप से निर्माण किया था।

इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए, अतिरिक्त आयुक्त पृथ्वीराज ने बताया कि खराडी और कल्याणीनगर इलाकों में अनधिकृत निर्माण और अवैध रूप से संचालित 151 पब, बार और रेस्टोरेंट को नोटिस जारी किए गए हैं। खुलासा होने के बाद संबंधित निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस, नगर निगम और जिला प्रशासन की संयुक्त समिति– मुंधवा, कोरेगांव पार्क क्षेत्र के नागरिकों को असुविधा पहुँचाने वाले पब, बार और रेस्टोरेंट पर नज़र रखने और नियमों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई करने के लिए नगर निगम, पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों की एक संयुक्त समिति का गठन किया गया है। पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने इस समिति की घोषणा की और समिति को हर 15 दिन में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया है।

यह दैनिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4- ग्राऊंड फ्लोर, एन के. इंडस्ट्रियल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नीयर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं. 2, गोरेगांव पूर्व, मुंबई 400 063 से छपवाकर, रूम नं. ३६१, जाकिर अली चॉल, स्कॉटर कॉलोनी, जोगेश्वरी (पूर्व),मुंबई ४०० ०६० से प्रकाशित. संपादक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख मो.: ९९३००२६९४२ / ९९३००२६९४३
कार्यकारी संपादक - विक्रम सेन email -fightagainstcriminal2016@gmail.com RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 सभी पद अवैतनिक है, (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा)